उत्तराखण्ड मुक्त विष्वविद्यालय, हल्द्वानी
महत्वपूर्ण उपलब्धियाँः अगस्त, 2018

दिव्यांगों के शिक्षा संवर्द्धन हेतु शिक्षकों का प्रशिक्षण

केन्द्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार एवं भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के द्वारा पौड़ी जिले के थैलीसैंण ब्लाक के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत लगभग 40 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं 35 प्रशिक्षु अध्यापकों को विभिन्न विकलांगताओं यथा मानसिक मंदता, नेत्रहीनता, मूक-बधिर एवं पढने में अक्षमता से ग्रसित बच्चों हेतु विशिष्ट शिक्षा के प्रति एवं निशक्तजनों के पुनर्वास एवं रोजगार सम्बन्धी प्रावधानों व केन्द्र-राज्य सरकारों द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी के प्रति जागरूक करने हेतु एक कार्यशाला का आयोजन राजकीय स्नातक महाविद्यालय, थैलीसैंण में दिनाँक 29-31 अगस्त, 2018 को किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन श्री जगदीश प्रसाद ममगाईं जी समाजसेवी एवं पूर्व प्रधानाध्यापक, राजकीय इंटर कॉलेज, थैलीसैंण, श्री सत्येन्द्र सिंह रावत मंडल महामंत्री, थैलीसैंण एवं डॉ सुमन, वरिष्ठ प्राध्यापक, राजकीय स्नातक महाविद्यालय, थैलीसैंण और उत्तराखंड मुक्त

कार्यक्रम को सम्बोधित करते श्री जगदीश प्रसाद

विश्वविद्यालय के विशिष्ट शिक्षा विभाग के कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से किया।

उद्घाटन सत्र में अपने संबोधन में श्री जगदीश प्रसाद ममगाईं जी ने दिव्यांग लोगों को शैक्षिक गतिविधियों में भाग लेने पर अवसर देने पर जोर दिया और कार्यशाला में आये प्रतिभागियों से अपेक्षा की कि वे दिव्यान्गता के विषय में जों कुछ भी जानकारी प्राप्त करके जाएँ उसे अपने कार्यक्षेत्र में प्रयोग में लाकर दिव्यांगों को समझ की मुख्यधारा में शामिल करें और राष्ट्र के निर्माण में सहयोग दें। श्री सत्येन्द्र सिंह रावत ने अपने संबोधन में दिव्यांगों कों शिक्षा और समाज में सम्मान देने पर बल दिया, साथ ही दिव्यांग लोगों को सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं का लाभ दिलवाने की अपील प्रतिभागियों से की। कार्यशाला के संयोजक एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशिष्ट शिक्षा विभाग के कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने कार्यशाला के विषय, रूपरेखा एवं महत्व पर प्रकाश डाला उन्होंने बताया कि कार्यशाला का उद्देश थैलीसैंण ब्लाक के उफरेंखाल, चौथान क्षेत्र के विभिन्न प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को विकलांग बच्चों एवं निशक्तजनों के लिए क़ानूनी प्रावधान, विशिष्ट शिक्षा का प्रबंध, उनमें विकलांगता की पहचान करना एवं सामान्य विद्यालयों में समावेशी शिक्षा के अंतर्गत उनको प्रवेश देना, उनके शैक्षिक अधिकारों, पुनर्वास सम्बन्धी अधिकारों एवं नई तकनीकियों के माध्यम से शिक्षण एवं केन्द्र-राज्य सरकारों द्वारा किये जा रहे प्रयासों के सम्बन्ध में जानकारी देना है।

कार्यशाला में प्रतिभाग करते शिक्षक

(कार्यशाला से सम्बन्धित विस्तृत रिपोर्ट संलग्न है। **संलग्नक- क**)

<u>**विशिष्ट बच्चों एवं उनके अभिभाकों के लिए विशेष परामर्श सत्र-**</u> थैलीसैंण क्षेत्र के दिव्यांग बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए विशेष परामर्श सत्र का आयोजन भी कार्यशाला में किया गया। इस सत्र में विशेषज्ञ श्री सतीश चौहान द्वारा मूक बधिर बच्चों हेतु आवासीय विद्यालयों की जानकारी व उनके रोजगार से सम्बंधित जानकारी प्रदान की, कार्यशाला के संयोजक डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने उत्तराखंड में स्थित मानसिक रूप से मंद बच्चों हेतु आवासीय विद्यालयों की जानकारी के साथ ही स्वरोजगार सम्बन्धी जानकारी प्रदान की। विशेषज्ञ अनंत मेहरा द्वारा दृष्टिबधितार्थ बच्चों हेतु राष्ट्रीय दृष्टिबधितार्थ संस्थान, देहरादून में चलाये जा रहे विभिन्न वोकेशनल पाठ्यक्रमों की जानकारी साझा की।

दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों हेतु आयोजित विशेष परामर्श सत्र में प्रतिभाग करते अभिभावक

साईबर सुरक्षा

साइबर सिक्यूरिटी के महत्त्व को समझते हुए विश्वविद्यालय ने वर्ष 2016 में साइबर सिक्यूरिटी एंड ई-गवर्नेंस विषय पर 16 क्रेडिट का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया| इस पाठ्यक्रम की पाठ्य सामग्री का निर्माण कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेण्टर फॉर एशिया (CEMCA) द्वारा प्रदत्त अनुदान के माध्यम से किया गया| पाठ्यक्रम की विषय-सामग्री को इंडियन साइबर इमरजेंसी रेस्पोंस टीम (CERT-In) के वैज्ञानिकों, मिनिस्ट्री ऑफ़ डिफेंस के ऑफिसर्स, इंडियन एयर फ़ोर्स के ऑफिसर्स, विख्यात आईटी कंपनी जैसे विप्रो, आईबीएम्, इनफ़ोसिस, आदि के प्रोफेशनलस एवं विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों के सहयोग से डिज़ाइन किया गया है| इस पाठ्यक्रम को समृद्ध बनाने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत इस विषय के विषय विशेषज्ञों के सहयोग से वीडियो लेक्चर्स की रिकॉर्डिंग करायी जा रही है|

इस पाठ्यक्रम की उपयोगिता एवं गुणवत्ता को देखते हुए एशियन एसोसिएशन ऑफ़ ओपन यूनिवर्सिटीज (Asian Association of Open Universities) द्वारा इस पाठ्यक्रम को एशियन मूकस (Asian MOOCs) में शामिल कर लिया गया है| इस पाठ्यक्रम का उपयोग अन्य मुक्त विश्वविद्यालयों द्वारा किया जा रहा है।

इसी कड़ी में विश्वविद्यालय ने सत्र जुलाई 2018 से साइबर सुरक्षा मं एक नया स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम लॉन्च किया है। कार्यक्रम का विवरण निम्नानुसार है:

Post Graduate Diploma in Cyber Security **PGDCS-17**
Credits- 40

PROGRAMME STRUCTURE			
Course Code	**Course Name**	**Credits**	**Total Marks (Th. /Assign.)**
SEMESTER I			
PGDCS-01	Fundamentals of Information Security	04	100 (80/20)
PGDCS-02	Cyber Security Techniques	04	100 (80/20)
PGDCS-03	Cyber attacks and counter measures: user perspective	04	100 (80/20)
PGDCS-04	Information System	04	100 (80/20)
PGDCS-P1	Lab Cyber Security Fundamentals	04	100
SEMESTER II			
PGDCS-05	Information Security Assurance : Framework, standards and Industry best practices	04	100 (80/20)
PGDCS-06	Digital Forensic	04	100 (80/20)
PGDCS-07	Advanced Cyber Security Techniques	04	100 (80/20)
PGDCS-08	Computational Number Theory & Cryptography	04	100 (80/20)
PGDCS-Project	Project	04	150

पाठ्यक्रम सामग्री प्रमुख वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में काम कर रहे विशेषज्ञों द्वारा तैयार की गई है। इस कोर्स को विश्वविद्यालय के ई-लर्निंग पोर्टल www.uou.ac.in का उपयोग कर MOOCs में भी प्रयोग किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त सहायक प्रध्यापक, कम्प्यूटर विज्ञान, डॉ जीतेंद्र पाण्डे को मिनिस्ट्री ऑफ़ ह्यूमन रिसोर्स एंड डेवलपमेंट द्वारा संचालित SWAYAM ऑनलाइन एजुकेशन पोर्टल हेतु Fundamentals of Cyber Security विषय पर ऑनलाइन कोर्स विकसित करने हेतु रुपये 13.5 लाख रुपये की ग्रांट आवंटित हुए है।

परीक्षा

विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा- जून 2018 में, दिनांक 01 जून 2018 से 28 जून 2018 तक 22 दिवसों में, प्रदेश के 60 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित की गई। परीक्षाओं में सम्मलित 55,966 परीक्षार्थीयों से सम्बन्धित समस्त विषयों के परीक्षाफल दिनांक 31 अगस्त, 2018 तक घोषित किये जा चुके हैं। (संलग्नक- ख)

माह अगस्त में ऑनलाइन/ऑफलाइन माध्यम से आवेदित 221 मूल उपाधियॉ, 68 अन्तरिम उपाधि/अनापत्ति प्रमाणपत्र/सत्यापन वाहक/डाक से प्रेषित की गई।

प्रवेश

दिनांक 1 जून, 2018 से ग्रीष्मकालीन सत्र 2018 के द्वितीय व तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रमों के प्रवेश प्रारम्भ किये जा चुके है। दिनांक 31 अगस्त, 2018 तक 14,761 विद्यार्थियों द्वारा प्रवेश लिया गया है।

UGC, DEB द्वारा आकादमिक सत्र 2018-19 के लिए 05 पाठ्यक्रमों के लिए मान्यता प्रदान की गई है जिनमें प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। शेष पाठ्यक्रमों की मान्यता हेतु विश्वविद्यालय द्वारा प्रत्यावेदन UGC, DEB नई दिल्ली को प्रेषित कर दिया गया है। इस प्रत्यावेदन में विश्वविद्यालय द्वारा UGC, DEB से विभिन्न पाठ्यक्रमों के सम्बन्ध में उल्लिखित कमियों को दूर करने के सम्बन्ध में अवगत कराया गया है। प्रत्यावेदन के सम्बन्ध में प्रस्तुतीकरण दिनांक 07 सितंबर, 2018 को किया जाना प्रस्तावित है।

टॉपर्स कॉन्क्लेव

दिनांक अगस्त, 2018 से अगस्त, 2018 तक राजभवन, देहरादून में आयोजित टॉपर्स कॉन्क्लेव हेतु कुलपति जी तथा विश्वविद्यालय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले निम्न दो विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

क्र0 स0	नामांकन संख्या	छात्रछात्रा / का नाम	पिता का नाम	पाठ्यक्रम	प्राप्तांक पूर्णांक प्रतिशत	
1-	15072328	उत्तम प्रसाद सेमवाल	मारकन्डेय प्रसाद सेमवाल	वनस्पति विज्ञान में परास्नातक	**936/1200**	78%
2-	15068524	कु0 आरती	बचन सिंह	एम0ए0 अग्रेंजी	**699/900**	77.67%

पाँच दिवसीय टॉपर्स कॉन्क्लेव में मुख्य वक्ता व वाह्य विषय विशेषज्ञों के विषयों पर प्रतिभाग कर रहे सभी टॉपर्स द्वारा दिये गये प्रतिक्रियाओं व व्याख्यानों में विश्वविद्यालय की छात्रा कुमारी आरती ने प्रथम दो मुख्य वक्ताओं में द्वितीय स्थान प्राप्त किया जिन्हें महामहिम श्री राज्यपाल द्वारा विशेष सम्मान से सम्मानित किया गया।

सामाजिक सरोकार

हाल ही में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा देश में विश्वविद्यालय स्तर पर सैनिको के अदम्य साहस के प्रति देश के नौजवानों को प्रेरित करने के लिए **"Wall of Heroes"** नामक अभियान शुरू किया गया | उत्तराखंड सरकार द्वारा भी इसी क्रम में प्रदेश के विश्वविद्यालय व कॉलेज स्तर पर सैनिको के अदम्य साहस के प्रति प्रदेश के नौजवानों को प्रेरित करने के लिए इस अभियान को शुरू किया गया तथा इस प्रयास को प्रदेश स्तर पर सराहा भी गया |

इसी कड़ी में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुछ साथियों के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में 21 फलदार पौधें रोपित किए हैं । यह 21 फलदार पौधें उन वीर सैनिकों के नाम पर हैं जिन्होंने निस्वार्थ भाव से देश की रक्षा एवं सुरक्षा हेतु अपने प्राण न्यौछावर कर दिए । इन शहीदों के परिवारों को अपनेपन का अहसास कराने हेतु यह हमारा एक छोटा सा प्रयास है । उक्त स्थान का नामकरण **"शौर्य वाटिका"** के रूप में किया गया

है। इस प्रकार हम सब देशवासी शहीदों के बलिदान को अगली पीढ़ी तक पहुंचा सकते है और उनमे देशभक्ति की भावना को जीवन्त रख सकते है।

"शौर्य वाटिका" का शुभारम्भ करते विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो0 मिश्र व अन्य

पीएच.डी. पाठ्यक्रम (मौखिकी)

विश्वविद्यालय द्वारा शोधार्थी श्री दीपक चन्द्रा (नामांकन संख्या–12027915) की मौखिक परीक्षा शोधार्थी समाजषास्त्र विभाग, सामाजिक विज्ञान विद्याषाखा के शोध शीर्षक **"Study of the Kumauni Rural Woman in the Era of modernization A Sociological study with special reference to the woman of Tarikhet Block of District of Almora"** दिनांक 03 अगस्त 2018 को विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित की गई। मौखिकी हेतु प्रो. ए. के. जोशी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी (उत्तर प्रदेश) बाह्य परीक्षक के रूप में उपस्थित रहे।

शोधार्थी श्री दीपक चन्द्रा की शोध ग्रन्थ पांडु लिपि पुस्तकालय में सुरक्षित इन्फिलबनेट (Infilbnet) द्वारा संचालित वेबसाइट शोध गंगा/गंगोत्री पोर्टल में अपलोड कर दी गयी है।

श्री एच. एस. बिष्ट को भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद से अध्येतावृत्ति की स्वीकृति मिलने पर (ICSSR) को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विद्याशाखा से सम्बद्ध रह कर शोध कार्य सम्पन्न कराने की अनुमति प्रदान की गयी, तथा यह भी सुनिश्चित किया गया कि विश्वविद्यालय अपने कोष से कोई भी वित्तीय सहायता नही करेगा। यह पूर्णतः आई0सी0एस0एस0आर0 के वित्तीय अनुदान से संचालित होगा। इसकी अनुमति मा0 कुलपति जी द्वारा प्रदान की गयी।

पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा–2018 के ऑनलाइन आवेदन–पत्रों का परीक्षण कार्य पूर्ण होने के पश्चात् प्रवेश परीक्षा हेतु अर्ह पाये गये आवेदकों की सूची वेबसाइट में उपलब्ध करा दी गई है।

<u>पाठ्य सामग्री निर्माण</u>

विश्वविद्यालय में संचालित किए जा रहे पाठ्यक्रमों की स्व अध्ययन सामग्री के इकाई लेखन व संपादन का कार्य किया जा रहा है। निम्न पाठ्यक्रमों की स्वअध्ययन सामग्री के निर्माण व संपादन के कार्य का विवरण निम्न है-

विज्ञान विद्याशाखा-

रसायन शास्त्र (बी0एस0सी0, द्वितीय वर्ष) के इकाई लेखन कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा संपादन कार्य प्रगति पर है।

भौतिकी (बी0एस0सी0, द्वितीय वर्ष) के इकाई लेखन कार्य 95 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है तथा संपादन कार्य प्रगति पर है।

जीव विज्ञान (बी0एस0सी0, द्वितीय वर्ष) के इकाई लेखन कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा संपादन कार्य प्रगति पर है।

वनस्पति विज्ञान (बी0एस0सी0, द्वितीय वर्ष) के इकाई लेखन कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा संपादन कार्य प्रगति पर है।

भूगोल (बी0ए0/ बी0एस0सी0, द्वितीय वर्ष) के इकाई लेखन कार्य 99 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है तथा संपादन कार्य प्रगति पर है।

इसके अतिरिक्त समाज कार्य, हिन्दी व अंग्रेजी विषय पाठ्यक्रम की अध्ययन सामग्री के संपादन का कार्य किया जा रहा है।
विश्वविद्यालय की अन्य विद्याशाखाओं द्वारा संचालित परास्नातक पाठ्यक्रमों जिसमें-

इतिहास विषय के द्वितीय वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य 80 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है ।

लोक प्रशासन के द्वितीय वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य 80 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

समाज शास्त्र के द्वितीय वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है

होटल प्रबंध के द्वितीय वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य 99 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

प्रबंध अध्ययन विभाग के एम0बी0ए0 पाठ्यक्रम के चतुर्थ सेमेस्टर की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन कार्य 80 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

वाणिज्य विभाग के बी0कॉम0 पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा एम0 कॉम0 पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन कार्य 95 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

राजनीति विज्ञान के द्वितीय वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य 75 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

विश्वविद्यालय की विद्याशाखाओं द्वारा संचालित स्नातक पाठ्यक्रमों जिसमें-

गृह विज्ञान विषय के द्वितीय वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा संपादन कार्य किया जा रहा है।

पाठ्य सामग्री वितरण

विश्वविद्यालय में पंजीकृत छात्रों को अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय के शीतकालीन सत्र 2018–18 में पंजीकृत छात्रों को प्रेषित अध्ययन सामग्री का विवरण निम्नवत् है–

Book Distribution Status Previous Session (2018-18-Winter)

Total Students	19021
Regional Centre	**Issued Books**
11 Dehradun	5419
12 Roorkee	2854
14 Pauri	1229
15 Uttar Kashi	912
16 Haldwani	2881
17 Ranikhet	1176
18 Pithoragarh	517
19 Bageshwar	241
Books Packed/Dispatched For	15229

उपर्युक्त तालिका में विभिन्न पाठ्यक्रमों में, 08 क्षेत्रीय केन्द्रों में सेमेस्टर आधारित पाठ्यक्रमों में पंजीकृत विद्यार्थियों को प्रेषित की जाने वाली अध्ययन सामग्री का विवरण उल्लिखित है।

<u>हैलो हल्द्वानी से जून माह में प्रसारित कार्यक्रम</u>

1- प्रोग्राममुलाकात -, मेहमानसमाज कार्य)राजकुमार सिंह .प्रो - विभाग,लखनऊ विवि(, वार्ताकारभूपेन सिंह -

वार्ता का विषय- समाज कार्य विषय की प्रासंगिकता

प्रो. राजकुमार सिंह से वार्ता करते डॉ0 भूपेन सिंह

समाज कार्य व्यक्ति, समूह व समुदाय को अपने पैरों पर खड़ा होना सिखाता है। समाज कार्य इगलैंड में जन्मा और अमेरिका ने इसे पाला पोसा और आज दुनिया भर में समाज कार्य हो रहा है। प्रो, राजकुमार ने बताया कि दो तरह से समाज कार्य हो रहा है एक तो बिना किसी प्रशिक्षण के जुनून के साथ समाज काम में लगे हैं दूसरी तरह के लोग व्यावसायिक लाभ के लिए समाज कार्य का प्रशिक्षण लेकर आते हैं। देश में दोराबजी टाटा ने 1936 में पहली बार समाज कार्य का औपचारिक संस्थान खोला जिससे आज हर साल बहुत बड़ी खेप समाज कार्य के स्टूडेंट्स की निकल रही है।

2- प्रोग्राममुलाकात -, मेहमानविनीत उपाध्याय -, वार्ताकारभूपेन सिंह -

वार्ता का विषय- खबरों के नजरिये से नैनीताल

विनीत उपाध्याय नैनीताल में टाइम्स आफ इंडिया के पत्रकार हैं और पिछले कुछ सालों से जूडिसियल कैपिटल नैनीताल व पहाड़ के सांस्कृतिक पक्ष को अपनी पैनी नजरों से देखने व लिखने का काम कर रहे हैं। वो मुख्यतः वाइल्ड लाइफ, कल्चरल व जूडिसियल जर्नलिस्ट हैं। विनीत का

मानना है कि पहाड़ में बाहर से आईडिया पैराशूट करके नहीं लाये जा सकते, यहां के परिवेश के मुताबिक योजनाएं लानी होंगी। वो पहाड़ में सेरीकल्चर व हॉटीकल्चर में ठीक ठाक संभावनाएं देखते हैं।

3- प्रोग्राममुलाकात -, मेहमानसमाजशास्त्र .प्रो)ए के जोशी .प्रो -,बनारस हिंदू विश्वविद्यालय(, वार्ताकारभूपेन सिंह -

वार्ता का विषय- बदलते समाद के साथ बुजुर्गों की बदलती जीवन स्थिति

प्रो. ए के जोशी बनारस हिंदू विवि में समाजशास्त्र के प्रोफेसर हैं तेजी से बदलते समाज में वृद्धों की स्थिति किस तरह से बदल रही है वो वृद्धाआश्रमों की तरफ जाने को विविश हैं। भारतीय समाज भी किस तरह से पश्चिम की तर्ज पर चल रहा है। भारतीय परिवार किस तरह से विघटित हुए हैं और नई तरह की अवधारणाएं आई हैं इन तमाम मुद्दों पर इस साक्षात्कार के जरिये बात की गई।

4- प्रोग्राम शिक्षा का पहिया -, मेहमानदेवकी नंदन जोशी -, वार्ताकार - गिरिजा पांडे वार्ता का विषयबदल रही हल्द्वानी बुजुर्गों के लिए - कितनी मुफीद

पिछले तीन चार दशकों में हल्द्वानी में किस तरह के बदलाव आए हैं बच्चों व बुजुर्गों के लिए कितना सुरक्षित है हल्द्वानी, क्या विकास होना बाकि है बुजुर्गों के स्वास्थय के लिहाज से क्या क्या कमियां हैं इस पर देवकी नंदन जी ने बात रखी।

श्री देवकी नंदन जोशी गे वार्ता करते प्रो

5- प्रोग्रामशिक्षा का पहिया -, मेहमानरेखा -

धानिक, वार्ताकारसुनीता भास्कर -

वार्ता का विषय- दुर्गम स्थानों पर शिक्षा में स्कूली बालिकाओं की स्थिति

श्रीमती रेखा धानिक से वार्ता करती सुनीता भट्ट

ओखलकांडा ब्लाक में बतौर शिक्षिका कार्यरत रेखा धानिक ने बताया कि अभी भी पहाड़ के दुर्गम स्थानों पर लड़कियों के लिए पांचवी दसवीं से ज्यादा पढ़ना दूर की कौड़ी है एसा इसलिए क्योंकि स्कूल बहुत दूर हैं। उन्होंने बताया कि बालिका शिक्षा को लेकर उनके पेरेंट्स बिल्कुल भी रुचि नहीं लेते हैं उनका नजरिया यही है कि बेटी तो दूसरे घर की अमानत है। हम इस पर खर्च कर क्या करें। उन्होंने शिक्षण के पेशे में महिला शिक्षिकाओं के आने को बहुत उत्साहजनक रूप में लिया है उन्होंने कहा कि महिला शिक्षिकाओं की संख्या आधी होने के चलते लड़कियां अपनी निजी दिक्कतें भी उनसे साझा कर पाती हैं।

6- प्रोग्रामबेमिसाल-मिसाल -, मेहमाननिर्मला मेहता -, वार्ताकारसुनीता - भास्कर

वार्ता का विषय- पैरों से चलने में अक्षम निर्मला के एथलीट बनने का सफर

एक साल की थी डाक्टर के एक गलत इंजेक्शन ने निर्मला की जिंदगी बदल दी। ये जुनून ही था कि बंदरों की तरह झूल झूल के सीढियां चढ़ती पेड़ों में चढ़ती। घर में मां का हाथ बंटाती गर्दन में बाल्टी फंसा गायों को पानी देती। हर जगह अपनी अक्षमता को मात देती निर्मला आज

पैराएथलीट है। नवंबर में उन्हें आस्ट्रेलिया खेलने जाना है. उनके जीवन के सफर पर इस एपिसोड में विस्तार से चर्चा की।

7- प्रोग्राम -वार्ताकार (कवि व पत्रकार) प्रमोद पांडे -कविता संसार मेहमान - सुनीता भट्ट

वार्ता का विषय- कवि साहित्यकार चारु चन्द्र चंदोला की जीवन यात्रा पर बातचीत

श्री प्रमोद पांडे से वार्ता करती सुनीता भट्ट

उत्तराखंड के महान साहित्यकार , कवि व पत्रकार चारु चंद्र चंदोला हमारे बीच नहीं रहे उनके जीवन व उनकी कविताओं पर प्रमोद पांडे ने चर्चा की। उन्होंने बताया कि चंदोला जी की व्यंग्य शैली मे लेखन में महारत थी उन्होंने पहाड़ पर बेहतरीन कविताएं लिखी।

8- प्रोग्रामबेमिसाल-मिसाल -, मेहमानडीडी जोशी -, वार्ताकारसुनीता - भास्कर

वार्ता का विषय- गांव से भाग कर आए एक लड़के से एक कवि पत्रकार बनने तक के सफर की कहानी

श्री डीडी जोशी से वार्ता करती सुनीता भट्ट

डीडी जोशी बचपन में गांव से भागकर आ गये थे संघर्षों की एक लंबी फेहरिस्त है उनके जीवन में। तांबे के बर्तनों में कलाकारी का काम अंत में उन्हें भाया और तीस साल तक इस इंडस्ट्री में रहे। बच्चें अच्छी जगह सैटल हो गए तो नौकरी छोड़ दी

और शुरु कर दिया अपना शौकिया काम शुरु। और बुढ़ापे में बन गए तेज तर्रार पत्रकार और कवि। इस एपिसोड में उनकी जीवन यात्रा को जानने की कोशिश की गई है।

9- प्रोग्राममुलाकात -, मेहमानउमुवि शिक्षक एसोसिएशन -, वार्ताकार - भूपेन सिंह

वार्ता का विषय- संगठन के गठन पर बातचीत

पहली बार उत्तराखंड मुक्त विवि में शिक्षक एसोसिएशन का गठन हुआ। इसके सभी निवार्चित प्रतिनिधियों से बातचीत की गई कि यूनियन बनाने के पीठे क्या मकसद है और किन किन मुद्दों पर यूनियन संघर्ष करेगी।

10- प्रोग्रामस्टूडेंट कार्नर -, मेहमानगोपाल दत्त -, वार्ताकारसुनीता - भास्कर

वार्ता का विषय-वेब डिजाइनिंग क्यों जरूरी। उत्तराखंड मुक्त विवि में वोकशेनल स्टडीज के संयोजक डा., गोपाल दत्त ने बताया कि विवि वेब डिजाइनिंग पर छमाही कोर्स आरंभ करने जा रहा है। उन्होंने वेब डिजाइंनिंग कोर्स में भविष्य में नौकरियों की संभावनाओँ पर बात की और बताया कि कम समय में कैसे एक बेहतर वेब डिजाइनर बना जा सकता है।

<u>अकादमिक गतिविधियाॅ</u>

- दिनांक 21/8/2018 से 27/8/2018 तक सुश्री ममता कुमारी, सहायक प्रध्यापक, शिक्षाशास्त्र तथा डॉ0 सुमित प्रसाद, सहायक प्रध्यापक,

प्रबन्ध द्वारा UGC, HRDC कुमांऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आयोजित शॉर्ट-टर्म कोर्स में प्रतिभाग किया गया।

- डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी, सहायक प्रध्यापक, ज्योतिष द्वारा लिखित 'संस्कृत का महत्व' शीर्षक आलेख "International Journal of Jyotish Research" 'वेदचक्षु' नामक पत्रिका में प्रकाशन हेतु प्रषित किया गया।
- विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस एवं आईटी में सहायक प्राध्यापक डॉ जीतेंद्र पाण्डे द्वारा को थाई साइबर यूनिवर्सिटी प्रोजेक्ट, मिनिस्ट्री ऑफ़ एजुकेशन, थाईलैंड द्वारा दिनांक 19-22 सितम्बर, 2018 को बैंकाक में होने एक्सपर्ट समिति मीटिंग में एक्सटर्नल एक्सपर्ट के रूप में आमंत्रित किया गया है| इस मीटिंग में MOOC's Policy and Strategies' पर चर्चा की जाएगी।
- डॉ जीतेंद्र पाण्डे द्वारा उत्तराखंड साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च कौंसिल (USERC), उत्तराखंड सर्कार द्वारा आयोजित दिनांक 30 अगस्त को आयोजित साइबर सिक्यूरिटी के टेक्निकल सेशन में विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभाग किया गया|

(विश्वविद्यालय की गतिविधियों से संबंधित मीडिया कवरेज संलग्न है- संलग्नक-ग)